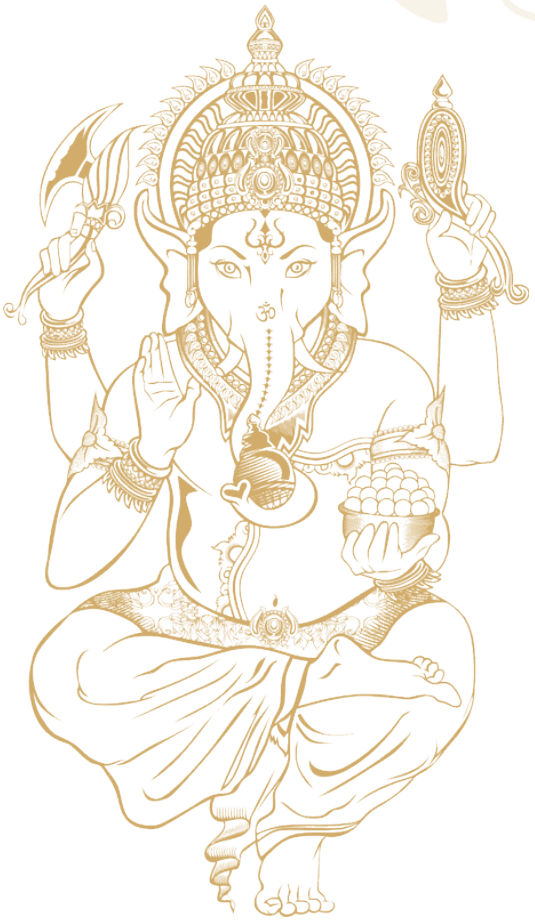

Ishita

21 Aug 1998

12:20 PM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121489902

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/08/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:20:00 घंटे**
इष्ट	16:13:37 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:58:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:13 घंटे
साम्पातिक काल	09:56:15 घंटे
सूर्योदय	05:50:33 घंटे
सूर्यास्त	18:57:56 घंटे
दिनमान	13:07:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:11:26 सिंह
लग्न के अंश	26:28:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:28:54	302:29:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			सिंह	04:11:26	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	24:51:14	12:42:46	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			कर्क	06:28:29	00:38:40	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व		कर्क	22:33:52	00:19:24	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:23:08	00:06:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	15:49:27	01:13:34	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:45:57	00:00:35	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:37:10	00:00:07	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:37:10	00:00:07	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:13:41	00:02:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:12:12	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:28:02	00:00:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	03:00:26	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:10

लग्न-चलित

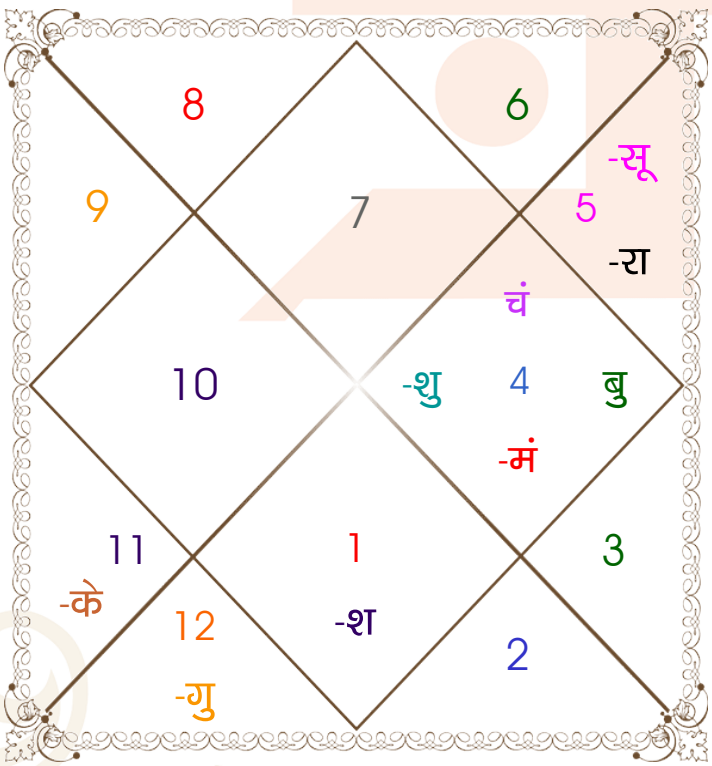

चन्द्र कुंडली

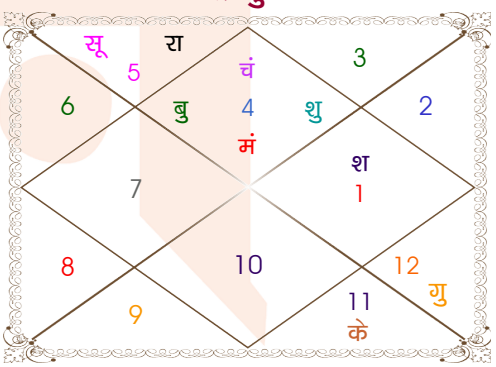

नवमांश कुंडली

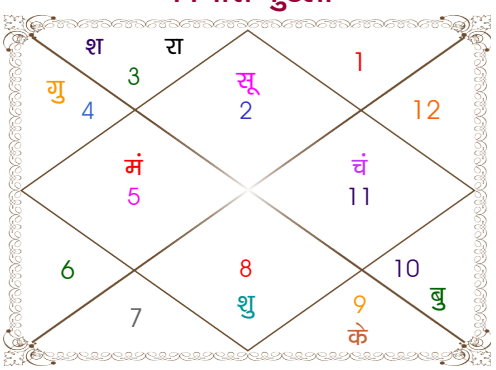

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 6 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/08/1998		13/03/2005		13/03/2012		13/03/2032		14/03/2038	
13/03/2005		13/03/2012		13/03/2032		14/03/2038		13/03/2048	
	00/00/0000	केतु	10/08/2005	शुक्र	14/07/2015	सूर्य	01/07/2032	चंद्र	12/01/2039
	00/00/0000	शुक्र	10/10/2006	सूर्य	13/07/2016	चंद्र	30/12/2032	मंगल	13/08/2039
	00/00/0000	सूर्य	15/02/2007	चंद्र	14/03/2018	मंगल	07/05/2033	राहु	11/02/2041
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2007	मंगल	14/05/2019	राहु	01/04/2034	गुरु	13/06/2042
	00/00/0000	मंगल	12/02/2008	राहु	14/05/2022	गुरु	18/01/2035	शनि	12/01/2044
	21/08/1998	राहु	01/03/2009	गुरु	12/01/2025	शनि	31/12/2035	बुध	13/06/2045
राहु	28/03/2000	गुरु	05/02/2010	शनि	13/03/2028	बुध	06/11/2036	केतु	12/01/2046
गुरु	04/07/2002	शनि	17/03/2011	बुध	12/01/2031	केतु	13/03/2037	शुक्र	13/09/2047
शनि	13/03/2005	बुध	13/03/2012	केतु	13/03/2032	शुक्र	14/03/2038	सूर्य	13/03/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/03/2048		14/03/2055		13/03/2073		13/03/2089		14/03/2108	
14/03/2055		13/03/2073		13/03/2089		14/03/2108		00/00/0000	
मंगल	09/08/2048	राहु	24/11/2057	गुरु	02/05/2075	शनि	16/03/2092	बुध	11/08/2110
राहु	28/08/2049	गुरु	19/04/2060	शनि	12/11/2077	बुध	24/11/2094	केतु	08/08/2111
गुरु	04/08/2050	शनि	24/02/2063	बुध	18/02/2080	केतु	03/01/2096	शुक्र	08/06/2114
शनि	13/09/2051	बुध	12/09/2065	केतु	24/01/2081	शुक्र	05/03/2099	सूर्य	14/04/2115
बुध	09/09/2052	केतु	01/10/2066	शुक्र	25/09/2083	सूर्य	15/02/2100	चंद्र	13/09/2116
केतु	05/02/2053	शुक्र	30/09/2069	सूर्य	13/07/2084	चंद्र	16/09/2101	मंगल	10/09/2117
शुक्र	07/04/2054	सूर्य	25/08/2070	चंद्र	12/11/2085	मंगल	26/10/2102	राहु	22/08/2118
सूर्य	13/08/2054	चंद्र	24/02/2072	मंगल	19/10/2086	राहु	01/09/2105		00/00/0000
चंद्र	14/03/2055	मंगल	13/03/2073	राहु	13/03/2089	गुरु	14/03/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।